Childhood & Growing Up

Uses of Language:
Turn Talking, Interactions, and Conversation Listening

बात-चीत में मोड़ तब होता है। जब एक व्यक्ति सुनता है जबकि दूसरा व्यक्ति बोलता है। जैसे-जैसे बातचीत आगे बढ़ती है, श्रोता और वक्ता की भूमिकाएं आगे और पीछे (चर्चा का एक वृत) का आदान-प्रदान होता है। सामाजिक संचार में प्रभावी रूप से भाग लेने के लिए बच्चों को विकसित करने के लिए टर्न लेना एक महत्वपूर्ण कौशल है। यदि कोई बच्चा बातचीत के दौरान मोड़ लेने में सक्षम नहीं है तो वे दूसरे व्यक्ति को बाधित कर सकते हैं जो बोल रहा है। या सक्रिय रूप से नहीं सुन सकते हैं। सामाजिक परिस्थितियों में बातचीत से संघर्ष करने वाले बच्चों को कक्षा में मित्रता के निर्माण में परेशानी हो सकती है।

यदि कोई बच्चा भाषण या भाषा में देरी का अनुभव करता है तो वे मोड़ लेने के साथ संघर्ष कर सकते हैं। विकासात्मक देरी या आत्मकेंद्रित स्पेक्ट्रम विकार (एएसडी) वाले बच्चों में इस कौशल के साथ चुनौतियां हो सकती हैं।

Page No.
Date :

क्योंकि स्पेक्ट्रम पर बच्चे आक्सर संचार और सामाजिक कौशल में देरी का प्रदर्शन करते हैं।

यदि एक बच्चे को एक विशेषीय पुलस्कूली कार्यक्रम में नामांकित किया जाता है जो भाषण और भाषा के लिए अतिरिक्त समर्थन प्रदान करता है, तो शिक्षक कक्षा में बारी-बारी पर जोर दे सकता है। यदि कोई बच्चा इस कौशल या भाषण (सामान्य रूप से) के साथ संघर्ष कर रहा है तो एक भाषण-भाषा रोगविज्ञानी अपने संचार कौशल को विकसित करने के लिए बच्चे के साथ भी काम कर सकता है।

खेलने में बच्चे अपनी भाषा को आत्मसात करते हैं जब वे खेल के समय व्यस्त रहते हैं वयस्क को इस बच्चे को बहुत स्पष्ट करना चाहिए किसकी बारी है।

उदाहरण - वयस्क कह सकता है "पहले आपके पास खिलौने के साथ मोड़ हो सकता है या अब यह खिलौने के साथ खेलने की मेरी बारी है। प्रत्यक्ष भाषा का उपयोग करना और स्पष्ट रूप से यह कहना कि जब बारी आती है तो बच्चे को अधिक रूप से बारीर से सीखने में मदद मिलती है। कई अलग-2 तकनीकि हैं। जो बच्चों के लिए प्रभावी हो सकती है। यह उनकी अनुठी सीखने की शैली पर निर्भर करता है।

Scanned with CamScanner

Techniques for Collection Information's Non-standardized Method and Standardized Method

एक मानकीकृत परीक्षण एक परीक्षण है जिसे एक असंगत या मानक तरीके से प्रशासित और स्कोर किया जाता है। मानकीकृत परीक्षणों को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि प्रश्न, प्रशासन के लिए शर्तें, प्रक्रियाएं और व्याख्याएं हैं और उन्हें पूर्व निर्धारित, मानक तरीके से प्रशासित और स्कोर किया जाता है। कोई भी परीक्षा जिसमें सभी परीक्षार्थियों को एक ही परीक्षा समान तरीके से दी जाती है और सभी के लिए एक ही तरीके से वर्गीकृत किया जाता है, एक मानकीकृत परीक्षा है।

मानकीकृत परीक्षणों के लिए उच्च स्तरीय परीक्षण, समय-सीमित परीक्षण या बहु-विकल्प परीक्षण की आवश्यकता नहीं होती है। प्रश्न सरल या जटिल हो सकते हैं। स्कूली छात्रों के बीच विषय अक्सर शैक्षणिक कौशल होता है लेकिन ड्राइविंग टेस्ट, रचनात्मकता, व्यक्तित्व, पेशेवर नैतिकता या अन्य विशेषताओं सहित लगभग किसी भी विषय पर एक मानकीकृत परीक्षा दी जा सकती है।

गैर-मानकीकृत परीक्षण है, जिसमें या तो काफी अलग-2 परीक्षार्थियों को अलग अलग दिए जाते हैं या एक ही परीक्षण को काफी अलग-2 परिस्थितियों में सौंपा जाता है, जिसमें या तो काफी अलग-2 परीक्षार्थियों के अलग-अलग परीक्षण दिए जाते हैं या एक ही परीक्षण को काफी अलग-2 परीक्षण दिए जाते हैं

एक समूह के परीक्षण की तुलना में है परीक्षण के पूरा करने के लिए बहुत कम समय की अनुमति है अगले समूह) करने के लिए बहुत कम समय की अनुमति है अगले समूह) या अलग-2 मूल्यांकन किया। उदाहरण के लिए, एक ही उत्तर को एक छात्र के लिए सही गिना जाता है, लेकिन दूसरे छात्र के लिए असफल है।

क्योंकि सभी को समान परीक्षण और समान ग्रेडिंग प्रणाली प्रणाली मिलती है, इसलिए मानकीकृत परीक्षणों को अक्सर गैर-मानकीकृत परीक्षणों की तुलना में उचित माना जाता है, इस तरह के परीक्षणों को अक्सर विपक्ष और एक प्रणाली की तुलना में अधिक उद्देश्य के रूप में माना जाता है। जिसमें कुछ छात्रों को एक आसान परीक्षा मिलती है और दूसरों के अधिक कठिन परीक्षा मिलती है।

Factors of Language Development-

बच्चों को एक अतिरिक्त भाषा सीखते हुए देखना, उन्हें पहली बार तैरते हुए देखना बहुत पसंद है। कुछ बच्चे सही में डुबकी लगाते हैं और कुछ ही गहरे अंत के आसपास मंडराते हैं। अन्य लोग अपना समय लेते हैं, पानी में पैर की अंगुली डुबोते हैं और धीरे-धीरे किनारे से बाहर निकलते हैं।

यह मानना आम है कि एक बच्चे की अतिरिक्त भाषा सीखने का कौशल स्वाभाविक रूप से आता है, हम सहमत नहीं हैं। और कुछ बच्चे भाषा कौशल को दूसरों की तुलना में तेजी से उठाते हैं- लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि भाषा सीखने की क्षमता केवल एक भाग्यशाली व्यक्ति के पास है।

बच्चों के लिए भाषा सीखने के तीन कारक हैं

i) प्रेरणा:- जब वे एक भाषा सीखने में रुचि रखते हैं और वे अपने जीवन के लिए आवश्यक कनेक्शन देखते हैं, तो वे भाषा का उपयोग करने के लिए जोखिम लेना शुरू करते हैं जो उन्हें तेजी से प्राप्त करने में मदद करता है।

2. घर पर सहायता:- जोखिम भाषा की समझ और प्रोत्साहन का एक महत्वपूर्ण कारक है यदि किसी बच्चे का परिवार केवल एक ही भाषा बोलता है तो क्या वे छात्र को जरूरत पड़ने पर सहायता प्रदान कर सकते हैं।

Scanned with CamScanner

एक अतिरिक्त भाषा सीखने में माता पिता कितना महत्व रखते है। भाषा सीखने में माता पिता प्राथमिकता देने वाले माता पिता अपने बच्चों को कठिन महसूस होने पर भी कोशिश करते रहने के धारक होते है।

3) पूर्व भाषाई ज्ञान – भाषा सीखने वालों में एक भाषा से दूसरी भाषा में कौशल अनुवाद करने की क्षमता होती है। क्योंकि वे भाषा के नियमों और पैटर्न की पहचानने में सक्षम होते है, भले ही शब्दावली अलग हो।

4) सीखने का माहौल → छात्र अपनी भाषा सीखने के माहौल में कितना सहज महसूस करती है, भाषा सीखने के बारे में स्कूल की संस्कृति और मान्यताएं क्या है। इसने पाया है कि एक छात्र के सीखने के माहौल का उनकी प्रेरणा पर प्रभाव पड़ता है। एक कम चिंता भाषा सीखने के माहौल में अधिग्रहण की संभावना बढ़ जाती है।

5) शिक्षण रणनीतियाँ → एक भाषा शिक्षक द्वारा उपयोग की जानेवाली रणनीतियों का भाषा सीखने पर बड़ा प्रभाव पड़ता है। शिक्षक किसी भाषा की अवधारणाओं को समझने में छात्रों की मदद कैसे करता है शिक्षक विभिन्न शैलियों को ध्यान रखता है साथ ही छात्र विभिन्न स्तर को समायोजित भी रखता है।

6) व्यापक इनपुट → "इनपुट भाषा प्रक्रिया है" कक्षा में सीखता है कि किसी भी स्तर पर कठिनाई के शिक्षण पर्याप्त नहीं है, छात्र सीखने के लिए प्रेरित महसूस करते हैं। यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि वे महसूस करें कि उनमें सीखने के अगले स्तर तक प्रगति करने की क्षमता है।

7) छात्र का व्यक्तित्व → एक छात्र का व्यक्तित्व प्रभावित कर सकता है कि वे दूसरी भाषा कैसे सीखते हैं। अधिक अंतर्मुखी छात्रों को भाषा प्राप्त करने में अधिक समय लगता है क्योंकि वे गलतियाँ करने में अधिक हिचकिचाते हैं और यहाँ छात्रों के भाग अधिक बोलना महत्वपूर्ण है।

8. उम्र —

सभी उम्र के छात्र एक विदेशी भाषा सीख सकते हैं, लेकिन आम सहमति है कि शिक्षार्थी की उम्र से कुछ पहलू प्रभावित होते हैं। छात्रों के लिए किशोर वर्षों से मूल उच्चारण करना कठिन हो जाता है।

9. नियमित बच्चों को सीखते रहना

यह बच्चों में उत्सुकता इसलिए क्योंकि माता-पिता पढ़े-लिखे हैं, वे अच्छे शब्दों का आदान-प्रदान करेंगे तो बच्चे भी अच्छे शब्दों को नियमित सीखते रहेंगे।

Childhood & Growing up

* Socio-Cultural Variations in language: Accents, differences in Communication

समाज और संस्कृति उन शब्दों को प्रभावित करते है जो हम बोलते हैं, और जो शब्द हम बोलते है वह समाज और संस्कृति को प्रभावित करते हैं। इस तरह के एक चक्रीय संबंध को समझना मुश्किल हो सकता है, लेकिन इस अध्याय में कई उदाहरण और हमारे स्वयं के जीवन से उदाहरण इस बिंदु को चित्रित करने में मदद करते हैं, समाज, संस्कृति और भाषा के बारे में जानने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक है, हमारे विशिष्ट आराम क्षेत्रों से परे जाने के अवसरों की तलाश करना। उदाहरण- इस बिंदु को चित्रित करने में मदद करते हैं, समाज, संस्कृति और भाषा के बारे में जानने के लिए सर्वोत्तम तरीकों में से एक है, हमारे विशिष्ट आराम क्षेत्रों से परे जाने के अवसरों की तलाश करना। उदाहरण के लिए विदेश में अध्ययन करने से कई चुनौतियाँ आती हैं जो मूल्यवान पाठों में बदल सकती हैं- एक सामाजिक आदर्श जो हमारी संचार संरचना को मोड़ रहा है, लोगों को यह महसूस करने की जरूरत है कि वे एक बातचीत में कुछ योगदान दे रहे हैं, क्योंकि बातचीत का एक केंद्रीय हिस्सा है, कि बातचीत कैसे चलती है, बातचीत समाप्त करना समान रूप से जटिल है। मुझे यकीन है कि हम एक ऐसी स्थिति में रहे हैं जहाँ हम एक ऐसी बातचीत में फंस गए हैं, जिसकी हमें जरूरत है।

Scanned with CamScanner

था बाहर निकलना है। संयुक्त राज्य अमेरिका में लोगों के लिए यह कहने के लिए प्रथागत है कि उन्हें वास्तव में ऐसा करने से पहले छोड़ना होगा और उस बयान को दूसरे व्यक्ति द्वारा खारिज या अनदेखा किया जाना चाहिए जब तक कि अतिरिक्त दूसरी बार में व्यवहार को लागू नहीं किया जाता है। भाषा और उनमें में सांस्कृतिक रूप से प्रभावित अंतर कुछ दिलचस्प मुकाबलों को जन्म दे सकता है जो अजीब और जानकारीपूर्ण से विनाशकारी तक हो सकता है। आपने उन कंपनियों की कहानियों को सुना होगा जो अपने नामकरण और या किसी अन्य भाषा में उत्पादों के विज्ञापन और संचार क्षमता का प्रदर्शन करने में विफल रही।

* हम अपने संचार को जान-बूझकर बदलकर विभिन्न सांस्कृतिक संदर्भों के अनुकूल हो सकते हैं संचार आवास सिद्धांत जाता है कि लोग विभिन्न संदर्भों के आधार पर अपने संचार को दूसरों के समान या उससे भिन्न होने के लिए अनुकूलित कर सकते हैं।

Scanned with CamScanner

Childhood & Growing up

"Envisioning School Management and organization for quality Education : School building, class room practices role of Educational Institutions

वी सदी की वैश्विक अर्थव्यवस्था ऐसे वातावरण में उभर सकती है, जो रचनात्मक एवं कल्पनिकता, विवेचनात्मक सोच और समस्या के समाधान से संबंधित कौशल पर आधारित हो। कुछ महीने पहले देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने एक उद्बोधन (मन की बात) में गुणवत्ता के महत्व पर इन शब्दों में जोर दिया था। विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता के स्तर को सुधारने के लिये केन्द्र एवं राज्य दोनों सरकारें नवीन व्यापक दृष्टिकोणों एवं रणनीतियों को बना रहे हैं। कुछ विशेष कार्यक्रमों की चर्चा कर रहे हैं जो अध्यापकों द्वारा कक्षा में अपनाई जाने वाली पद्धतियों, कक्षा में छात्र के मूल्यांकन एवं विद्यालयी आधारभूत संरचना, विद्यालयी प्रबंधकीयता एवं सामाजिक सहभागिता से संबंधित मुद्दों पर कार्य किया जाता है जहाँ बच्चे विद्यालय शिक्षा का केन्द्र होते हैं बच्चों की भागीदारी सुनिश्चित करने की सबसे महत्वपूर्ण कदम उठा रहे हैं। मंत्रालय वर्ष 2013 में करवाए गए एक अध्ययन के परिणामों के अनुसार अध्यापकों की औसत उपस्थिति लगभग ८५% थी, इसको बढ़ोतरी कर 100% तक लाने की आवश्यकता है। सर्व शिक्षा अभियान एवं राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान - योजनाओं दोनों में अध्यापकों के उपस्थित आधारित

Scanned with CamScanner

बच्चों में ज्ञान की समझ विकसित करने, कक्षा-कक्षा प्रबंधन, प्रभावी छात्र शिक्षक संवाद एवं शिक्षकों की उत्तमता, संरचित अध्यापन एवं सीखने पर जोर देनेवाली शैक्षिक विधियों के दृष्टिकोण से इन कार्यविधियों का सर्वाधिक महत्व है इसके लिए छात्रों एवं अध्यापकों की कक्षा-कक्ष में नियमित उपस्थिति पूर्वप्रतिबंध है। आईसीटी समर्थित शिक्षण और अधिगम के संदर्भ में सीखने की प्रक्रिया के परिणामों में स्पष्ट रूप से प्रत्येक कक्षा और प्रत्येक विषय के लिए संभावित शिक्षण परिणामों पर विशेषरूप से प्रत्येक कक्षा और प्रत्येक विषय के लिए संभावित शिक्षण परिणामों पर विशेष रूप से ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। ताकि वह शिक्षकों, विद्यालयों प्रमुखों के द्वारा आसानी से समझा जा सके और इसे माता-पिता और समुदाय के बीच व्यापक रूप से प्रचारित किया जा सके।

देश के सभी सरकारी माध्यमिक विद्यालयों को आईसीटी से लैस किया जा रहा है। ताकि बच्चों को पढ़ाने में ICT का लाभ लिया जा सके और इनमें सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़ी साक्षरता में भी सुधार किया जा सके। द नेशनल रिपोजिटरी ऑफ ओपन एजुकेशनल रिसोर्स (एनआरओईआर) और हाल ही में प्रारम्भ किया गया ई-पाठशाला विद्यालय विद्यालय शिक्षा के

Scanned with CamScanner